



‘हरियाणा अणु वदियुत परियोजना’ की समीक्षा बैठक

चर्चा में क्यों?

16 नवंबर, 2021 को हरियाणा बजिली विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके दास ने न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा फतेहाबाद ज़िला के गाँव गोरखपुर में स्थापति की जा रही 4700 मेगावाट क्षमता की ‘हरियाणा अणु वदियुत परियोजना’ की समीक्षा की।

प्रमुख बंदि

- इस अवसर पर एनपीसीआईएल के डीजीएम (मानव संसाधन) ने बताया कि इस परियोजना पर अब तक 3400 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हैं। परमाणु ऊर्जा नयामक बोर्ड ने गत 18 नवंबर, 2020 को आवश्यक परमाणु एवं रेडियोलॉजिक सुरक्षा, औद्योगिक एवं अग्नि सुरक्षा और सविलि इंजीनियरिंग के पहलुओं की समीक्षा की तथा संतोषजनक पाए जाने पर जीएचएवीपी-1 और 2 के निर्माण की मंजूरी दी।
- न्यूक्लियर बिल्डिंग-1 व 2 क्षेत्र के नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है और मुख्य इकाई का निर्माण कार्य उच्च स्तर पर शुरू कर दिया गया है। टरबाइन और उसके सहायक उपकरणों के निर्माण का कार्य बीएचईल को दिया गया है। प्रमुख रिएक्टर उपकरण, जैसे- एंडशील्ड पहले ही प्राप्त हो चुके हैं और कैलेंडरिया एवं स्टीम जेनरेटर जैसे अन्य उपकरण प्राप्त के विभिन्न चरणों में हैं।
- अग्रोहा में एनपीसीआईएल कॉलोनी का निर्माण अग्रिम चरण में है, जहाँ मार्च, 2022 तक आवास शुरू करने की योजना है। 700 मेगावाट की पहली इकाई का उत्पादन वर्ष 2026 में शुरू हो जाएगा और शेष तीन इकाइयों को बाद में प्रत्येक एक इकाई के हिसाब से चालू कर दिया जाएगा।
- एनपीसीआईएल ने सीएसआर के तहत आसपास के क्षेत्रों में अब तक लगभग 26 करोड़ रुपए विभिन्न गतिविधियों पर खर्च किये हैं और 8 करोड़ रुपए इस वित्तीय वर्ष (2021-22) में खर्च करने की योजना है।